

Newton's Academy

हिंदी लोकभारती

समय: 2 घंटे

कुल अंक: 40

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

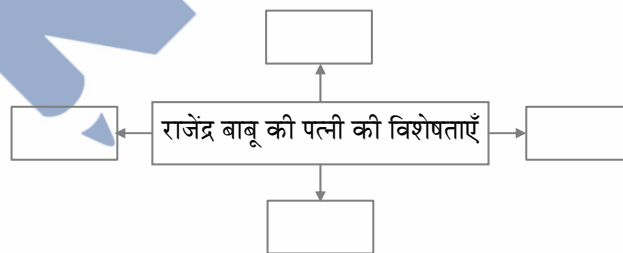
विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं। उन्हें देखने प्रायः उनकी दादी और कभी-कभी दादा भी प्रयाग आते रहे। तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं। ससुराल में उन्होंने बालिकावधू के रूप में पदार्पण किया था। संभ्रांत जमींदार परिवार की परंपरा के अनुसार उन्हें घंटों सिर नीचा करके एकासन बैठना पड़ता था, परिणामतः उनकी रीढ़ की हड्डी इस प्रकार झुक गई कि युवती होकर भी वे सीधी खड़ी नहीं हो पाती थीं।

बालिकाओं के संबंध में राजेंद्र बाबू का स्पष्ट निर्देश था कि वे सामान्य बालिकाओं के समान बहुत सादगी और संयम से रहें। वे खादी के कपड़े पहनती थीं, जिन्हें वे स्वयं ही धो लेती थीं। उनके साबुन-तेल आदि का व्यय भी सीमित था। कमरे की सफाई, झाड़ू-पोंछ, गुरुजनों की सेवा आदि भी उनके अध्ययन के आवश्यक अंग थे।

- (1) संजाल पूर्ण कीजिए:



[2]

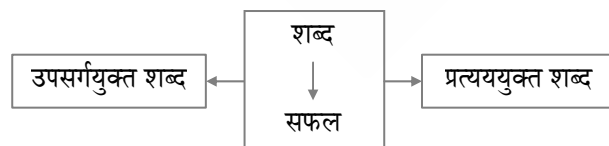
- (2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:

[1]

- (1) बालक
- (2) धरती

- (ii) कृति पूर्ण कीजिए:

[1]



- (3) “सादा जीवन उच्च विचार” विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

[2]

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसों में घुल जाती हूँ और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(1) कारण लिखिए:

[2]

हवा बदबूवाली होती है –

- (i)
(ii)

(2) (i) उपर्युक्त गद्यांश से अँग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

[1]

- (1)
(2)

(ii) गद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए:

[1]

- (1) ×

(3) 'बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के उपाय' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

[2]

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है।
षड्भ्रतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझपर चंद्र प्रकाश है।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है।।

(1) उचित जोड़ियाँ लगाइए:

[2]

	'अ'	उत्तर	'ब'
(i)	निर्मल	दृश्य
(ii)	शीतल	मखमल
(iii)	षड्भ्रतु	पवन
(iv)	हरियाली	नीर

(2) प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

[2]

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय ।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय ॥
नैनों अंतर आव तूँ, नैन झॉपि तोहि लेवँ ।
ना मै देखों और को, ना तोहि देखन देवँ ॥
लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल ।
लाली देखन में गई, मै भी हो गई लाल ॥

(1) कारण लिखिए:

[2]

कवि प्रभु को आँखों में बंद करना चाहते हैं।

(i)

(ii)

(2) अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

[2]

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[8]

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छोटकर लिखिए:

[1]

(i) इकट्ठा, इकठटा, इकठ्टा, इक्कट्ठा

(ii) बुद्धी, बुध्दी, बुद्धि, बूद्धि

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

[1]

(i) वहाँ

(ii) ओह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए:

[1]

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ
.....	अथवा
.....	सदा + एव

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

[1]

(अंक में भरना, खाली हाथ लौटना)

समीर ने मुझे देखते ही गले लगा लिया।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(i) तंग करना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन:

[2]

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

बचपन में मैंने परिजनों की, बुजुर्गों की सेवा की।

- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:
- (1) मुझे देखते ही चाय हाजिर करता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)
 - (2) मुझे अभिवादन का ध्यान आता है। (सामान्य भूतकाल)
- (6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: [2]
- (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
यदि भगवान ने चाहा तो सेठानी सात दिन में ठीक हो जाएगी।
- (ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:
ताजगी महसूस होती है। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: [12]

(अ) (1) पत्रलेखन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

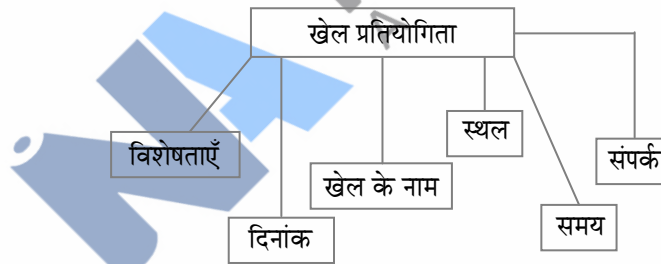
अजय सिन्हा/अंजना सिन्हा, सुंदर नगर, जत से नगर विकास अधिकारी, नगर परिषद, जत को बच्चों को खेलने के लिए बगीचा बनवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

चेतना सोनवणे/चेतन सोनवणे, आझाद नगर, चिखली से अपनी सहेली/मित्र फरहाना शोख/फरहान शोख, तिलक नगर, रायपुर को बहन की शादी में आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखती/लिखता है।

(2) विज्ञापन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:



अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों –

पिता जी ने धोती ऊपर कर ली, कुरते की बाँहें चढ़ा लीं और अपना पहाड़ी मोंटा डंडा दाहिने हाथ से कंधे पर सँभाले, बायाँ हाथ तेजी से हिलाते, नंगे पाँव आगे बढ़े। उन्होंने उनके पास जाकर कहा, “मैं लड़ने नहीं आया हूँ। लड़ने को आता तो अपने साथ औरों को भी लाता। डंडा केवल आत्मरक्षा के लिए साथ है, कोई अकेला मुझे चुनौती देगा तो पीछे नहीं हटूँगा। मर्द की लड़ाई बराबर की लड़ाई है, चार ने मिलकर एक को पीट दिया तो क्या बहादुरी दिखाई।”

(आ) निबंध लेखन: [4]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:

- (1) मोबाइल शाप या वरदान
- (2) यदि मैं पंछी होता.....